सरकारी स्कूलों का निम्नस्तरीय बुनियादी ढाँचा

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश **देश का पहला राज्य है जिसने [राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020] लागू की है।** हालाँकि यहाँ निम्नस्तरीय बुनियादी ढाँचा और कक्षाओं में शिक्षकों की अनुपस्थिति है।

मुख्य बिंदु:

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020** भारत की उभरती विकास आवश्यकताओं से निपटने का प्रयास करती है।
    - यह **भारत** की सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों का सम्मान करते हुए, सतत् विकास लक्ष्य 4 (SDG4) सहित 21 वीं सदी के शैक्षिक लक्ष्यों के साथ संरेखित एक आधुनिक प्रणाली स्थापित करने के लिये इसके **नियमों एवं प्रबंधन** के साथ **शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव** का आह्वान करता है।
    - यह वर्ष **1992 में संशोधित** (NPE 1986/92) 34 वर्ष पुरानी **राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986**, का स्थान लेती है।
- मध्य प्रदेश में हाई स्कूल के नतीजे छह वर्ष से लगातार खराब रहे हैं और वर्ष 2023 में गणित व अंग्रेज़ी में बड़ी संख्या में छात्र फेल हुए हैं।
- जबकि सर्व शिक्षा अभियान और उसके बाद के प्रयासों के साथ आपूर्ति पक्ष पर स्कूलों में सुधार हेतु बहुत कुछ किया गया है, स्कूलों में अधिगम के कायाकल्प तथा पुन: कल्पना की आवश्यकता है।
- **समग्र शिक्षा** में सर्व शिक्षा अभियान (SSA), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) और शिक्षक शिक्षा (TE) **की तीन योजनाएँ शामिल हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/poor-infrastructure-of-government-schools-in-madhya-pradesh